Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 07-05-2007

Participants : Suman Shri Ramji Lal

>

Title: Need to improve the quality of food served to passengers by Railways.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : महोदय, यूपीए सरकार द्वारा भारतीय रेलवे के खूब मुनाफे कमाने का देश-विदेशों में प्रचार किया जा रहा है, परंतु रेल यात्रियों को जो भोजन रेलवे द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा है उसकी गुणवत्ता कितनी खराब है, उस पर हाई कोर्ट के निर्देश पर गठित विशोज्ञ कमेटी ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि रेल यात्रियों को परोसे जाने वाला भोजन स्वास्थ्य की दृटि से बेहद खतरनाक है और प्राइवेट रेलवे कैटरर्स द्वारा संचालित किचन में भोजन तैयार करते वक्त सुरक्षा मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। यही नहीं, प्राइवेट किचन में तैनात कर्मचारियों को खाना तैयार करने की मूल जानकारी तक नहीं है। यात्रियों को जो खाना रेलवे द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है, वह 6-7 घंटे पुराना होता है जबकि दो घंटों में ही खाना बासी होना शुरू हो जाता है। इतना ही नहीं, खाने को सुरक्षित रखने के लिए कूलिंग की उचित व्यवस्था भी नहीं है।

मुनाफा कमाना तो ठीक है परंतु यात्रियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करना किसी भी कीमत पर जायज नहीं कहा जा सकता है। रेल यात्रियों के स्वास्थ्य से जुड़ी इतनी लापरवाहियों के बाद सरकार को उन ठेकेदारों/अधिकारियों/कर्मचारियों को चिंहित कर उनके खिलाफ तुरंत कठोर कार्यवाही करनी चाहिए जिससे भविय में रेल यात्रियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का कोई दुस्साहस न कर सके।

मेरा सरकार से आग्रह है कि वे रेल यात्रियों के स्वास्थ्य से जुड़ी कमियों को दूर करते हुए बरती गयी खामियों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।